माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर (stamp)
B.S.E.R. A (stamp)

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)　　　　क्रम संख्या 874063

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षा

Ca
(I
(Ir

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका ... भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓　अंग्रेजी

विषय अर्थशास्त्र

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 16-04-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	12	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	79½
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 3 | 1 | 8 |

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

Previous Pathshala

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर / अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका / ग्राफ / मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड-अ

-: प्रश्नोत्तर संख्या :-

-: 1 :-

प्रश्न संख्या	उत्तर संख्या
i	स
ii	स
iii	ब
iv	द
v	अ
vi	स
vii	ब
viii	अ
ix	स
x	बद
xi	ब
xii	स

12

-: प्रश्नोत्तर संख्या :-

-: 2 :-

(i) जब कोई देश विश्व के अन्य देशों से वस्तुएँ खरीदता है तो उसे आयात कहते है।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	ii	मुद्रा विनिमय का एक सर्वमान्य माध्यम है।
	iii	गैर - योजनागत व्यय का प्रमुख मद ब्याज अदायगी तथा प्रतिरक्षा सेवाएँ है।
	iv	संसाधनो की कमी चयन की समस्या को जन्म देती है।
	(v)	बाजार माँग सभी उपभोक्ताओ की सम्मिलित माँग का जोड़ होती है।
6		
	(vi)	उत्पादन फलन आगतो व निर्गतो के मध्य संबध को दर्शाता है।
		-: प्रश्नोत्तर संख्या :-
		-: 3 :-
	(i)	पूँजीवाद अर्थव्यवस्था की विशेषता:- (i) उत्पादन के सभी साधनों पर नीजी स्वामित्व होता है। (ii) उत्पादन का मुख्य उद्देश्य लाभ कमाना होता है।
1		
	(ii)	राष्ट्रीय प्रयोज्य आय :- जब बाजार कीमत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद में अन्य विश्व के से निवल चालु अंतरण को जोड़कर राष्ट्रीय

BSER-168/2021
Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रयोज्य आय की गणना की जाती है।

1 राष्ट्रीय प्रयोज्य आय = बाजार कीमत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद + अन्यविश्व से प्राप्त चालु अन्तरण

(iii) कुल उत्पादन = 100 रु
मध्यवर्ती वस्तु = 40 रु

सकल मूल्यवर्धित = कुल उत्पादन - मध्यवर्ती वस्तु

1 = 100 - 40
= 60 रु
अतः सकल मूल्यवर्धित = 60 रु होगा।

iv इसे खाते में जमा राशि बचत जमा या माँग जमा कहलाती है।
1

v बैंक दर :-
1 वह दर जिस पर रिजर्व बैंक व्यावसायिक बैंको को ऋण प्रदान करता है उसे बैंक दर कहते है।

(vii) सरकारी बजट का उद्देश्य :-
1 (i) सरकारी बजट का मुख्य उद्देश्य समानता के साथ आर्थिक

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

विकास को बढ़ावा देना।

VIII उत्पादन संभावना सेट :-
एक अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनो तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकी ज्ञान का उपयोग कर विभिन्न वस्तुओं और सेवाओ की उत्पादित की जा सकने वाले सभी संभावित संयोगो के समूह को उत्पादन संभावना सेट कहते है।

VI संतुलित बजट :-
जब सरकार का व्यय एवं प्राप्ति दोनो बराबर होती है तो उस स्थिति को संतुलित बजट कहते है।

IX कीमत मे प्रतिशत परिवर्तन = 40%
माँग मे प्रतिशत परिवर्तन = 20%

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{मात्रा मे प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत मे प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$\frac{20}{40}$$

$$= \frac{1}{2} = 0.5$$

अतः माँग की लोच इकाई से कम अर्थात

BSER-168/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		बेलोचदार होगी। $ed < 1$.
	X.	अल्पकाल :- ऐसी समयावधि जिसमे उत्पादक इकाई सभी आगतों या उत्पादन साधनो में परिवर्तन नहीं कर पाती है उसे अल्पकाल कहते है। इसमे कुछ साधन स्थिर और कुछ साधन परिवर्ती होते है।
1		
	XI	सीमान्त उत्पाद $= \frac{\Delta TP}{\Delta L}$
		ΔTP = कुल उत्पाद में परिवर्तन ΔL = परिवर्तनशील साधन की मात्रा में परिवर्तन
1		
	XII	पूर्ण प्रतिस्पर्धा बाजार का लक्षण :-
1		(i) इसमें क्रेता और विक्रेता की संख्या अत्यधिक होती है।
17		

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड = द

21 मुद्रा पूर्ति के चार प्रमुख माप निम्न है-

M_1 = CU + DD
(चलन मुद्रा + माँग जमा)

M_2 = M_1 + डाकघर बचत बैंको की बचत जमाएँ

M_3 = M_1 + व्यवसायिक बैंको की निवल आवधि जमाए

5

M_4 = M_3 + डाकघर बचत बैंको की कुल जमाएँ
(राष्ट्रीय प्रमाणपत्रों को छोड़कर)

मुद्रा की पूर्ति की वैकल्पिक परिभाषा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई है। संव्यवहार के लिए सबसे तरल एवं आसान M_1 है।

Previous Pathshala

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

22

माँग की कीमत लोच की ज्यामितीय विधि

रैखिक माँग वक्र के द्वारा माँग की लोच की गणना की जा सकती है। इसमें बिन्दु की गणना निम्न सुत्र से ज्ञात की जा सकती है -

माँग की लोच = बिन्दु से निचे का भाग / बिन्दु से ऊपर का भाग

इसे हम निम्न रेखाचित्र से समझ सकते है -

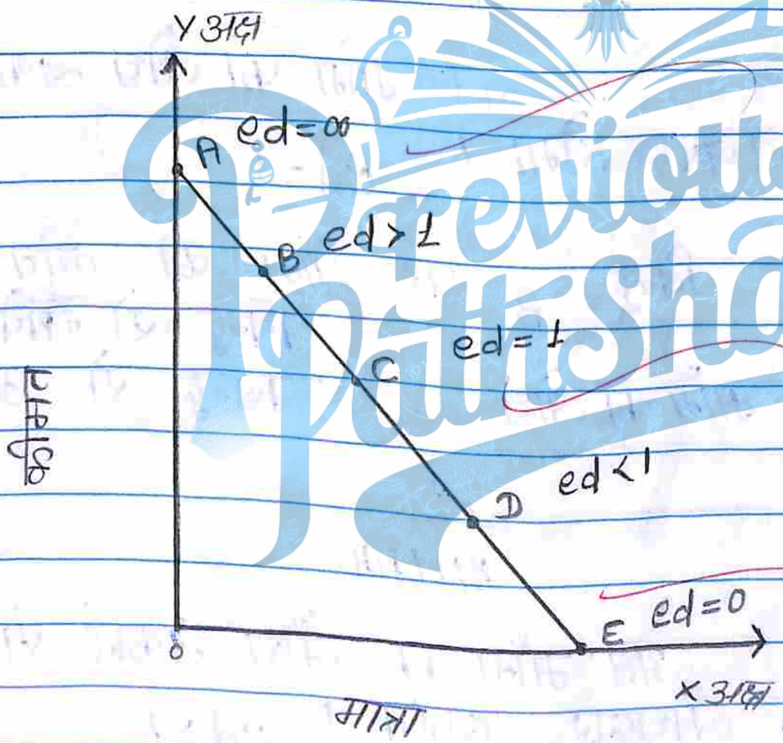

रेखाचित्र का वर्णन :-

उपयुक्त रेखाचित्र में हमने अक्ष अक्ष पर वस्तु की मात्रा व Y अक्ष पर वस्तु की

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कीमत को दर्शाया है।
इस रेखाचित्र की सहायता से बिन्दुओ की माँग की लोच की गणना निम्न प्रकार करते है→

→ बिन्दु C पर माँग की लोच =

माँग की लोच = बिन्दु से नीचे का भाग / बिन्दु से ऊपर का भाग

= CE / CA/AC

अतः माँग की लोच इकाई के बराबर होगी। ed=1

→ बिन्दु B पर माँग की लोच =

माँग की लोच = बिन्दु से नीचे का भाग / बिन्दु से ऊपर का भाग

BE / BA/AB

अतः माँग की लोच इकाई से अधिक अर्थात् लोचदार होगी। ed>1

→ बिन्दु A पर माँग की लोच

माँग की लोच = बिन्दु से नीचे का भाग / बिन्दु से ऊपर का भाग

BSER-168/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

$$\frac{AE}{0}$$

अतः माँग की लोच पूर्णतया लोचदार होगी।

$$ed = \infty$$

बिन्दु D पर माँग की लोच =

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{बिन्दु से नीचे का भाग}}{\text{बिन्दु से ऊपर का भाग}}$$

$$= \frac{DE}{DA / AD}$$

5

अतः माँग की लोच इकाई से कम अर्थात् बेलोचदार होगी। ed < 1

बिन्दु E पर माँग की लोच =

$$\text{माँग की लोच} = \frac{\text{बिन्दु से नीचे का भाग}}{\text{बिन्दु से ऊपर का भाग}}$$

$$\frac{0}{AE}$$

अतः माँग की लोच पूर्णतया बेलोचदार होगी। ed = 0

अतः इस प्रकार एक रैखिक माँग वक्र से माँग की लोच ज्ञात की जा सकती है।

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	23.	

औसत स्थिर लागत :-

एक अल्पकाल में कुछ साधन स्थिर होते हैं तथा कुछ साधन परिवर्तनशील होते हैं। तथा एक उत्पादक इकाई द्वारा स्थिर कारको पर वहन की गई लागत को कुल स्थिर लागत कहते हैं। तथा कुल स्थिर लागत में उत्पादन की मात्रा का भाग देने से औसत स्थिर लागत प्राप्त होती है। इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते है -

$$\text{औसत स्थिर लागत (AFC)} = \frac{\text{कुल स्थिर लागत}}{\text{निर्गत की मात्रा}}$$

औसत स्थिर लागत को निम्न रेखाचित्र से समझ सकते है -

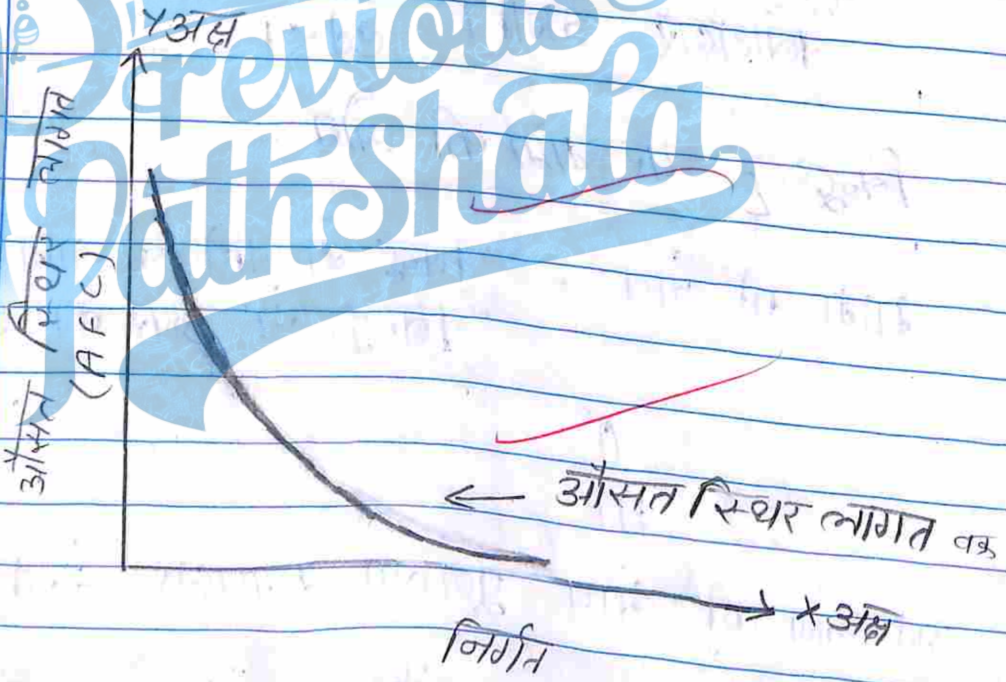

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

रेखाचित्र का वर्णन :-

उपर्युक्त रेखाचित्र में x अक्ष पर निर्गत तथा y अक्ष पर औसत स्थिर लागत को दर्शाया है। हम जानते है कि औसत स्थिर लागत कुल स्थिर लागत में उत्पादन की मात्रा का भाग देकर प्राप्त की जाती है। तथा कुल स्थिर लागत निर्गत की प्रत्येक इकाई पर स्थिर होती है। रेखाचित्र से ज्ञात होता है कि उत्पादन की मात्र प्रत्येक इकाई पर औसत स्थिर लागत गिरती है तथा औसत स्थिर लागत वक्र आयताकार अतिपरवलय वक्र की तरह होता है।

औसत परिवर्ती लागत :-

अल्पकाल मे कुछ साधन स्थिर होते है तथा कुछ साधन परिवर्ती परिवर्तनशील होते है। यदि उत्पादक इकाई द्वारा परिवर्तनशील साधनों पर चुकाई गई लागत कुल परिवर्ती लागत कहलाती है। तथा कुल परिवर्ती लागत में निर्गत की मात्रा का भाग देकर औसत परिवर्ती लागत प्राप्त की जाती है। इसे इस प्रकार भी व्यक्त कर सकते है -

$$\text{औसत परिवर्ती लागत (AVC)} = \frac{\text{कुल परिवर्ती लागत (TVC)}}{\text{निर्गत (Q)}}$$

औसत परिवर्ती लागत को निम्न रेखाचित्र की सहायता से समझ सकते है -

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

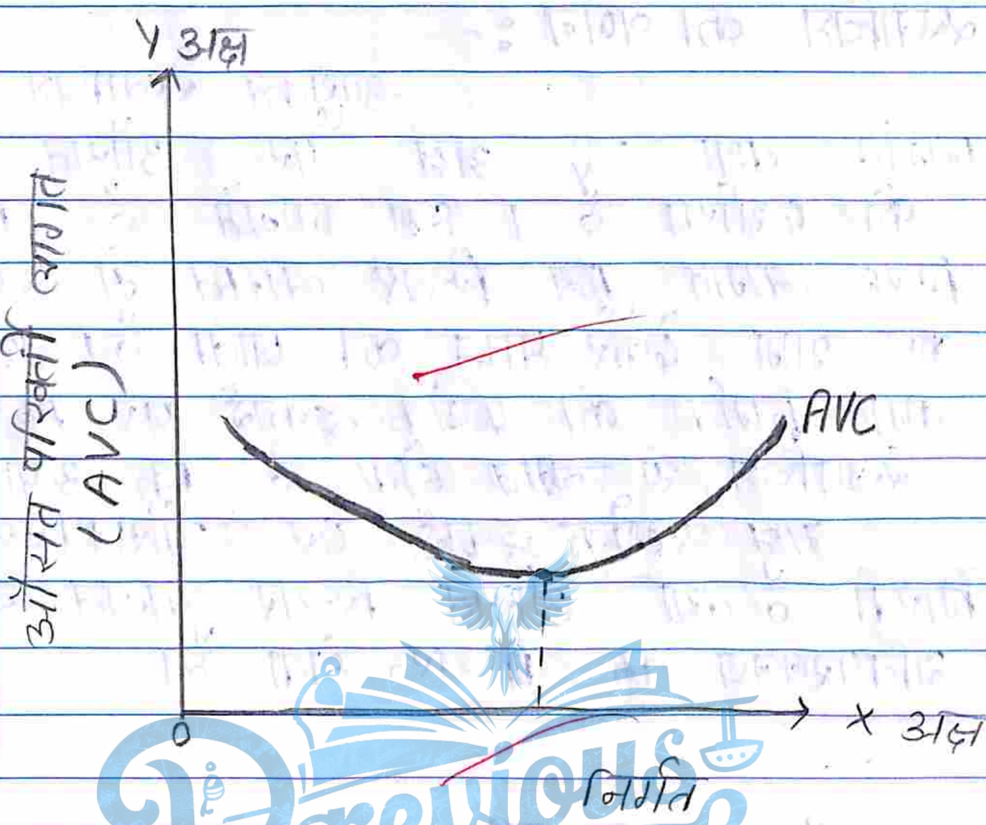

BSER-10/2021

2+2 = 4

रेखाचित्र का वर्णन :-

उपर्युक्त रेखाचित्र में x अक्ष पर निर्गत को तथा Y अक्ष पर AVC को दर्शाया है। हमे ज्ञात है कि AVC कुल परिवर्ती लागत में निर्गत की मात्रा का भाग देने पर प्राप्त होती है। रेखाचित्र से स्पष्ट है कि प्रारम्भ में AVC गिरती है क्योंकि प्रारम्भ में TVC में कमी होती है तथा एक विशेष स्तर के बाद लागते बढ़ने लगती है जिससे AVC भी बढ़ती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

17 बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP_{mp}) = ₹ 1,000 करोड़

मुल्यह्रास = ₹ 200 करोड़

अप्रत्यक्ष कर = ₹ 150 करोड़

अनुदान = ₹ 250 करोड़

ज्ञात करना है -

राष्ट्रीय आय (NNP_{FC}) = ?

= राष्ट्रीय आय ₹(NNP_{FC}) = $NNP_{mp} - NIT$

∵ $NNP_{mp} = GNP_{mp} - Dep$

$NIT = IT - S$

NNP_{mp} = 1,000 करोड़ - 200 करोड़

800 करोड़

NIT = 150 - 250

-100 करोड़

अत: राष्ट्रीय आय = 800 करोड़ - (-100 करोड़)

BSER 168/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

800+100 करोड़
900 करोड़

(3) अतः राष्ट्रीय आय = 900 करोड़ होगी।

18. केन्द्रिय बैंक के कार्य :-
(i) मुद्रा का नियमन
(ii) अतिंम स्ति० ऋणदाता
(iii) साख का नियंत्रण

(i) मुद्रा का नियमन :-
मुद्रा का नियमन करना केन्द्रिय बैंक का एक महत्वपूर्ण कार्य है। प्रत्येक अर्थव्यवस्था में मुद्रा के नियमन करने या नोट छापने का अधिकार केन्द्रिय बैंक को होता है। भारत में यह अधिकार भारतीय रिजर्व बैंक के पास है।

(ii) अतिंम ऋणदाता :-
केन्द्रिय बैंको को अन्तिम ऋणदाता भी कहा जाता है क्योंकि केन्द्रिय बैंक व्यावसायिक बैंको को वित्तिय संकट के समय ऋण प्रदान करता है तथा यदि कोई बैंक बंद होब जाता है तो उसके जमाधिकारीयों को ऋण प्रदान करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) साख नियंत्रण :-

साख का नियंत्रण करना केन्द्रिय बैंक के महत्वपूर्ण कार्य में से एक है। केन्द्रिय बैंक विभिन्न मात्रात्मक तथा गुणात्मकत उपायों से साख का नियंत्रण करता है। प्रमुख उपकरण जैसे - बैंक दर, खुले बाजार की क्रियाएँ, CRR, SLR, नैतिक दबाव आदि

(3)

20 कुल सम्प्राप्तियाँ और औसत सम्प्राप्तियाँ =

(∴ कीमत = 10 रु.)

बेची गई मात्रा	कुल सम्प्राप्ति $TR = P \times Q$	सीमान्त सम्प्राप्ति $MR = \Delta TR / \Delta Q$
0		
1	10	-
2	20	10
3	30	10

(3)

19. व्यष्टि अर्थशास्त्र :-

अर्थशास्त्र का वह रूप जिसमें व्यक्तिगत इकाइयों का अध्ययन किया जाता है व्यष्टि अर्थशास्त्र कहलाता है। जैसे एक उत्पादक एक उपभोक्ता आदि। इसमे व्यक्तिगत इकाईयों के

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। व्यष्टि अर्थव्यवस्था में व्यक्तिगत इकाईयों की समस्याओं का समाधान एवं नितियाँ प्रस्तुत किया जाता है। इसमे व्यक्तिगत हितो को ध्यान मे रखा जाता है।

समष्टि अर्थशास्त्र :-

अर्थशास्त्र का वह रूप जिसमे बड़े समुहो का अध्ययन किया जाता है। समष्टि अर्थशास्त्र कहलाती है। जैसे - राष्ट्रीय आय, समग्र माँग, समग्र पूर्ती आदि। इसमे पूरी अर्थव्यवस्था की समस्या का समाधान एवं नितीया प्रस्तुत की जाती है। समष्टि अर्थशास्त्र मे सामाजिक हितो का ध्यान रखा जाता है। इसमें सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के व्यवहारो का अध्ययन किया जाता है।

3

(खण्ड - ब)

4. उपभोक्ता वस्तुएँ :- भोजन, वस्त्र आदि।

पूँजीगत वस्तुएँ :- मशीन, औजार आदि।

2

5. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP$_{mp}$) :- बाजार कीमत पर सकल घरेलू

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्पाद में अन्य विश्व से प्राप्त निवल आय को जोड़कर जो मुल्य प्राप्त किया जाता है उसे सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNPmp) कहते है।

बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद = GDPmp + NFIA

{ NFIA = निवल विश्व से प्राप्त निवल कारक आय }

सकल घरेलु उत्पाद :- (GDPmp) एक वर्ष के दौरान घरेलु अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत उत्पादित सभी अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मुल्य के योग को सकल घरेलु उत्पाद कहते है।

(Two) (2)

$$GDP_{mp} = \sum_{i=1}^{N} GVA$$ (उत्पाद विधि)

6. व्यवसायिक बैंक के कार्य :-
 (i) साख का निर्माण करना
 (ii) ऋण प्रदान करना

(i) साख का निर्माण करना :- साख का निर्माण करना व्यवसायिक बैंक का एक महत्वपूर्ण कार्य है। व्यवसायिक बैंक ऋण प्रदान करके ब्याज लेकर साख का

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		निर्माण करती है।
	(ii)	ऋण प्रदान करना :-
2		ऋण प्रदान करना व्यवसायिक बैंकों का मुख्य कार्य है। यह ऋण लेने के इच्छुक व्यक्तियों को उचित ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करती है।
	7	पूंजीगत प्राप्तियाँ की मदें :-
		(i) ऋण लेना
		(ii) सम्पत्तियाँ का विक्रय करना
	(i)	ऋण लेना :-
1		पूंजीगत ऋण के अन्तर्गत वे प्राप्तियाँ आती है जो ऋणों के द्वारा प्राप्त होती है।
	(ii)	सम्पत्तियाँ का विक्रय :-
		इसके अन्तर्गत वे प्राप्तियाँ आती है जो सम्पत्तियाँ बेचकर प्राप्त होती है।
	8	सार्वजनिक वस्तु की विशेषताएँ :-
2		(i) ये सरकार के द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।
		(ii) इसका उपभोग बिना प्रत्यक्ष भुगतान करके कोई भी किया जा सकता

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

है तथा इसके लाभ से किसी को वंचित नहीं किया जा सकता।

9. प्रत्यक्ष कर :- आय कर, निगम कर

(2) अप्रत्यक्ष कर :- उत्पाद कर, वस्तु सेवा कर, बिक्री कर।

10. राजस्व घाटा :-

राजस्व घाटे की गणना राजस्व व्यय में से राजस्व प्राप्तियों को घटाकर की जाती है।

इसे इस प्रकार व्यक्त करते हैं-

(2) राजस्व घाटा = राजस्व व्यय − राजस्व प्राप्तियाँ

अर्थव्यवस्था की केन्द्रिय समस्याएँ

11. (i) देश में किन वस्तुओं का उत्पादन कितनी मात्रा में किया जाए :-

प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना पड़ता की विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं में से किन - किन वस्तुओं और सेवाओं का कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए।

(2)

(ii) देश में उत्पादन कैसे किया जाए :-

प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना पड़ता है कि वस्तुओं और

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सेवाओं का उत्पादन किया जाए श्रम प्रधान तकनीक से या पूँजी प्रधान तकनीक से।

12. पूरक वस्तुएँ :- वे वस्तुएं जो एक दूसरे के साथ काम आती अर्थात एक वस्तु की कीमत बढ़ने से दूसरी की माँग घटती है। इसके विपरीत एक वस्तु की कीमत घटने से दूसरी की माँग बढ़ती है पूरक वस्तु कहलाती है।

उदाहरण :- वाहन और पेट्रोल।

स्थानापन्न वस्तु :- वे वस्तुएँ जो एक दूसरे के स्थान पर काम आती है अर्थात जब एक वस्तु की कीमत बढ़ती है तो दूसरी की माँग बढ़ती है तथा इसके विपरित एक वस्तु की कीमत घटती है तो दूसरी की माँग घटती है स्थानापन्न वस्तुएं कहलाती है।

उदाहरण :- चाय और कॉफी

2

Previous Pathshala

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	13	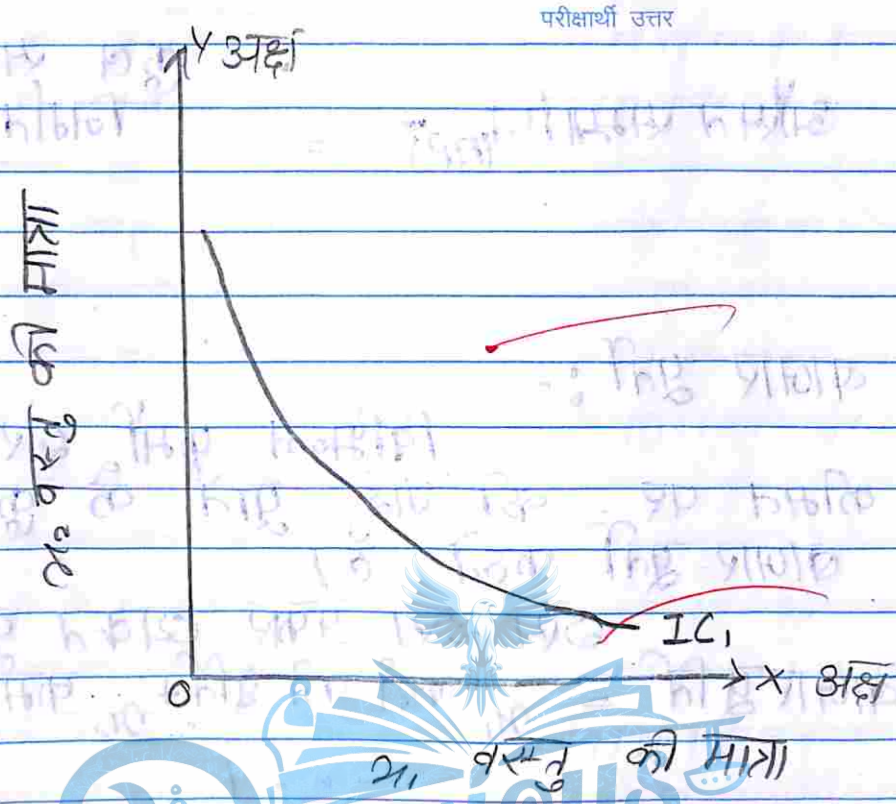 अनधिमान वक्र
2		
	14	कुल स्थिर लागत वक्र आधार अक्ष के समान्तर एक सीधी रेखा होती है क्योंकि कुल स्थिर लागत उत्पादन की प्रत्येक इकाई स्थिर रहती है। तथा यह स्थिर कारको पर वहन की जाती है।
2		
	15	औसत सम्प्राप्ति :- कुल सम्प्राप्ति में उत्पादन की मात्रा का भाग देने पर जो सम्प्राप्ति प्राप्त होती है उसे औसत सम्प्राप्ति कहते है। इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते है-

BSER-168/2021

Previous Pathshala

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		औसत सम्प्राप्ति (AR) = कुल सम्प्राति / निर्गत
	16	बाजार पूर्ती :- विभिन्न फर्मों द्वारा बाजार कीमत पर की गई पूर्ति के कुल योग को बाजार पूर्ती कहते है। इसे इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं बाजार पूर्ति = x_1 फर्म की पूर्ति + x_2 फर्म की पूर्ति + ...।
2		
		समाप्त
80 अस्सी		23/5/22

BSER-168/2/21

Previous Pathshala